

एनएफएसएम योजना के अंतर्गत धोबापारा और बाबर बागान (हुगली) में निनफेट-जैविक पर एफएलडी

16 अगस्त, 2024, कोलकाता:

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) योजनाओं के तहत हुगली सब्जी उत्पादक निर्माता कंपनी लिमिटेड, हुगली के सहयोग से 14 अगस्त, 2024 को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के दो अलग-अलग स्थानों; धोबापारा और बाबुल बागान में निनफेट-जैविक द्वारा जूट रीटिंग पर दो (02) फील्ड लेवल प्रदर्शन (एफएलडी) कार्यक्रम आयोजित किए गए।



धोबापारा में एफएलडी कार्यक्रम



बाबर बागान में एफएलडी

इंजीनियर एच. बाइटे, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभाग ने अपने संबोधन में जूट की बेहतर सड़न के लिए पर्यावरण अनुकूल तकनीक यानी निनफेट जैविक, इसके उपयोग की विधि और इसके लाभों के बारे में बताया। उन्होंने अन्य सड़न त्वरक, निष्कर्षण मशीनरी और अन्य प्रौद्योगिकी के बारे में भी बताया और आईसीएआर-निनफेट, कोलकाता द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों के बारे में भी बताया।

श्री गुणसिंधु सरकार, एसटीए, बीआईएस के अनुसार ग्रेडिंग की प्रक्रिया, ग्रेडिंग उपकरणों और विभिन्न जूट ग्रेड के बारे में बताते हैं। दो एफएलडी कार्यक्रमों (प्रत्येक कार्यक्रम में 50 व्यक्ति) में एक सौ (100) जूट किसानों ने भाग लिया है।

(सूत्र: आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

FLD on NINFET-JAIVIK at Dhobapara and Babur Bagan (Hooghly) under NFSM Scheme

16th August, 2024, Kolkata:

Two (02) Field Level Demonstration (FLD) programme on jute retting by NINFET-JAIVIK was organized at two different places of Hooghly district of West Bengal viz; Dhobapara & Babul Bagan on 14th August, 2024 under National Food Security Mission (NFSM) schemes in association with Hooghly Vegetable Growers Producer Company Limited, Hooghly.



FLD program at Dhobopara



FLD at Babur Bagan

Er. H. Baite, Scientist, Transfer of Technology division in his address highlighted about the eco-friendly technology for improved retting of jute i.e., NINFET JAIVIK, the method of applications and its advantages. He also mentioned about other retting accelerator, extraction machineries and other technology and also about the various schemes & activities conducted by ICAR-NINFET, Kolkata.

Mr. Gunasindhu Sarkar, STA, speaks about the process of grading, grading instruments and different jute grades as per BIS.

One hundred (100) jute farmers have participated in the two FLD programs (50 persons in each programme)

(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)